REGD. No. D.L.-33004/92





असाधार्ग EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 278]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 22, 1992/अषाढ़ 1, 1914

No. 278]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 22, 1992/ASADHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या के जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जन-मृतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

सा.का.नि. 629(य).--केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (i) और धारा 34 द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह निर्देश देती है कि इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्त में प्रकाणित होने की तारीख से 60 दिन की अबिंद पूरी होने के अगले दिन से भारत सरकार के जल-मृतल परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा.का.नि.सं. 43(ई), दिनांक 22 जनवरी, 1991 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त अधिसूचना में --- (1) अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जायेगी, अर्थात् :---

ग्रनुसूर्च

प्रचार शोग्य जलयान (15 टन या उत्तरे धांध्रिक के समुद्रगामी जलयान)	प्रभावं जलवान प्रति फोस्		एक जो जलयान की बाबत	संदीय की म्रावृत्ति
1	2	3	4	5
	विदेशी	तदीय	विदेशी जलयान	तटीय जलयान
v e	यू.एस. डालर	रुपये	• **	
पोत	0.114	1.70	प्रत्येक प्रदेश	30 दिन में एक बार
स्टीमर	0.171	2.80	प्रत्येक प्रवेश	30 दिन में एक बार
टग, लांच, बार्ज ग्रादि जो ऊपर सम्मिलित नहीं है	0.048	1.00	प्रत्येक प्रवेश	30 दिन में एक बार

भुट नोट ---मूल ग्रश्चिनियम सा.का.नि. सं. 798(ई), तारीख 30 नवस्वर, 1984 ग्रीर संगोधित ग्रिविनियम सा.का. नि.सं. 43(ई), तारीख 22 जनवरी, 1991 द्वारा प्रकाशित हुए थे।

[फ. सं. पी म्रार-14012/17/92-पी. जी.]

ग्रशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

G.S.R. 629(E)—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 33 read with Section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of 60 days from the date of publication of this notification in the official Gazette, the following amendments shall be made in the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. No. 43(E) dated 22nd January, 1991, namely:—

In the said Notification for the schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:-

SCHEDULE

Vessels chargeable (Sea going vessels of 15 tons and above)	Rate of por	-	Frequency of pays same vessel	ment in respect of the
1	2	3	4	5
	Foreign U.S. dollars	Coastal Rs.	Foreign vessel	Coastal vessel
Ship	0.114	1.70	Each entry	Once in thirty days
Steamers	0.171	2.80	Each entry	Once in thirty days
Tugs, launches Barges, etc., not included above	0.048	1.00	Each entry	Once in thirty days

Foot Note: Principal Notification was published vide GSR No. 798(E) dated 30th November, 1984. Amendment Notification published vide GSR No. 43(E) dated 22nd January, 1991.

[F.No. PR-14012/17/92-PG[ASHOKE JOSH1, Jt. Secy.

प्रिमुबना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

मा .का .िन . 630(म्र).--भारतीय पत्तन मधिनियम, 1908 (1906 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रवेत शिवतयों का प्रवेत करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा, सरकारी राजपत्र में मधिसूजना के प्रकाशन से 60 दिन की ग्रविध समाप्त होने से अगले दिन से उक्त मधिनियम की प्रयम मनुसूची में निम्नतिखित संशोधन करती है, भ्रयान् :---

्जनतः ब्राधिनियम की प्रथम धनुसूची के भाग । में नय मंगनूर पत्तन से संबंधित प्रविध्टियों को निम्तरिवित से प्रक्षिस्थापित किया आए,

पश्तन का नाम	भ्रादिय जहाज	प्रतिटेन पत्तन का ड्यू	उसी जहाज पर मामान्यतया कितने समय बाद आवेष
नव मंगलूर	15 टन तथा उससे ग्रधिक के समुद्रगायी जहाज	एक यूएस डालर से श्रविक नहीं	पत्तन के भीसर प्रस्टेक बार प्रदेश पर प्रभार देय है।
	(कः) विदेशो अहाज	दस रुपये में ग्रिधिक नहीं।	नीस दिन में एक आरि।
	(ख) तटीय जहाज		

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

GSR 630(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 33 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes, with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the Notification in the Official Gazette, the following alterations in the first schedule to the said Act, namely:—

2. In part I of first schedule to the said, Act, for entries relating to the port of New Mangalore, the following entries shall be substituted, namely:—

Name of Port	Vessels chargeable	Rate of Port dues per ton	Due how often charge- able in respect of the same vessel
New Mangalore	Sea-going vessels of fifteen tons and upwards.		
	(a) Foreign going vessels	Not exceeding one US dollar	The dues are payable on each entry within the port.
	(b) Coastal Vessels	Not exceeding Rs. 10/-	The dues are payable once in thirty days.

[File No. PR-14012/17/92-PG] ASHOKE JOSHI, Jr. Secy.

श्रधिसुचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1992

सा.का.नि. 631(म).--केस्ब्रीय सरकार भाषतीय पत्तन प्रधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) छोट नव मगयूर पत्तन पायलटेज व भन्य सेवा (शुल्क) भादेश 1989 तथा नव मंगलूर पत्तन पायलटेज व भन्य सेवा (शुल्क) 1991 संशोधन आदेश 1991, भारत अरकार जल-भूतल पिवहन की प्रकाशित अधिसुचना सं. कमश. सा.का.नि. सं. 650(ई) दिनोक 20 जुलाई, 1990 आंट सा. का.नि. 521 (ई) दिनोक 3 खनना. 1991 का अधिग्रहण करते हुए तब मंगलूर पत्तन में पायलटेज व अन्य मेत्राओं के लिए शुल्क की जेवी के विनियमन के लिए निम्नितिवित्र छादेण बनानी है. अर्थात्:---

आदेश

- 1. मंक्षिक जीर प्रारंभ : (i) यह आवंश नय मंगलूर पत्तन पायलटेज जीर अन्य मेंबाएं (शल्क) आदेश, 1992 कहा जावना ।
- (ii) यह तत्काल प्रवाही होगा।
 - परिमाणाएं --इस आदेश में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हों--
 - (क) "पत्तन" का अर्थ है नव मंगलूर पत्तन।
 - (ख) "तटीय जहाज" का अर्थ है, वह जहाज भारत में किसी पत्तम या स्थान से भारत में किसी दूसरे पत्तन या स्थान तक नमृद्र मार्ग में वालियों या मालों की कुलाई में लगा हो।
 - (ग) "विदेशी जहाज" का अर्थ है वह जहाज जिसे भारत में किसी पत्तन या स्थान और भारत के बाहर दूसरे पसन या स्थान या पत्तनों या स्थान के बीच व्यापार में लगाया गया है।
- 3 पायलटेज मूरिंग या अनम्रिंग आदि के लिए शुस्क.--पत्तन के अन्दर और शाहर जहाजों के पायलटिंग लिए शुस्क की लेंकी जिसमें पत्तनके पायलटी की सेवाएं और कर्मी दल के साय टगों और लाजों की सेवाए भामिल हैं, नीचे की अनुसूत्री में बिनिदिट्ट दरों पर होगी, स्वर्गन्:--

			
तों का वर्गीकरण देय शुल्क		प्रति जी.स्रार.टी. मटीय जहाज	
विदेशी जह	ग्रज पोत		
	यू.एम. आलर	रुपये	
l	2	3	
 बाहरी और भीतरीधोनो पायलटेज के लिए 	0.238		
(।) 3000 जी.श्रार.टी. तक के जहाज	0.238	五、 3、50	
	किन्तु न्यूनतम 594 44	किन्तु न्युनतम म. 875०/-	
(2) 3001 और 10000 जी.श्रार.टी. के बीच के अहाज	0.238	<u>5. 3.50</u>	
(3) 10001 और 15000 जी.ग्रार.टी. के बीच के जहाज	0.285	₹. 4,20	
(ब) 15001 मार 3000n जी.मार.टी. के बीच के जहाज	0.285	ਲ 4. 20	
(5) 30000 जी.भार.टी. से मधिक के जहाज	0 285	E. 4.20	

	7	3
 199 जी.चार. टी. तक के बार्ज टग, लॉन मादि जिसका उत्पर जल्लेख महीं है और पासपोत (सहायक जझाज और इंजन के साथ या रहित) और किणिंग पोत 	57.07	रु. 850/- प्रति पोन
200 जी.भार.टी. और ग्रधिक	85.60	হ. 1250/- प्रति जहा ज

टिप्पणी :

- पौत की सारी शिकिंग पत्तन के खाते में होगी।
- 2. पायलटेज सेवाएं दिन के चौबीम बंटे उपलब्ध होंगी।
- 3. पीत के मास्टर द्वारा यथा प्रमाणित "कोल्ड मूय" पर जहाज के पायलटिंग प्रयांत किसी प्रचालन में जहाज की इंतन को शक्ति के जिना आंशिक रूप से श्रनुसुची के प्रनुसार देय दरों के श्रलावा 20 प्रतिशत का सरचार्ज किया आएगा।
- 4. पायलट के ग्रान-कैरेश के लिए गृत्क: श्रविग्हार्य कारणों से पायलट को लिए हुए अश्राज को पत्तन सीमा से बाहर ले जाने की दला में मास्टर को श्रमके नजदीकी पत्तन पर पायलट को श्रोहना पड़ेगा और मास्टर, मालिक या उसका प्रतिनिधि उसका दापसी और भोजन और ग्रावास और श्रन्य उचिन खचौं का भृगतान करना होगा तथा इस प्रकार से जाए गए पायलट को वापिस भेजना होगा। इसके श्रलावा पायलट के पत्तन पर वापम श्राने के बाद रिपोर्ट करने तक मास्टर को प्रति घंटा 60 कामें की दर हे ग्रतिरिक्त मुशाबा देना पढ़ेगा होगा।
- यजि विभिन्न एजेन्ट इनवार्ड एल्ट्री और श्राउटवार्ड किलयरेन्स के मामले में लगे हीं तो प्रस्थेक एजेन्ट से मुल्की का 50 प्रतिशत गुरूक घसुला जाएगा।
- 6. यदि जहाइ परान में बंकिस्स के लिए पानी लेने था भरम्मत के लिए प्रवेश करते हैं लेकिन कोई माल लेना या उतारना नहीं है तो पायलटेज क्रम्क का केवल 50 प्रतिषत ही असूला आएगा।
- 7. स्टीमरो का श्रवरोध (डिटेन्शन) मुल्क:--
 - (1) पायलटेज की सेवाओं के मांग पत्न को दो घंटे से कम समय तक रह करने की सूचना उप संरक्षक को पायलटेज के लिए प्रानः 6 अजे में साथ 6 अगे के बीच या या 6 बंटे के कम का नोटिस के नाथ साथं 6 बजे प्रति जहाज में प्रातः 6 अपे के बीच पालटेज के लिए 1200/- रूपये नटीय अहात और यू.एस. बालर 57.07 विदेशी अहाज।
 - (2) समय के बाद 30 मिनट से शिक्षक समय के लिए किसी स्टीसर द्वारा पायलट की रोक्ते के लिए शिवके मांग पक्ष भरा गया था।
 - (क) पहला घंटा या उसका अंग

600/- र. तटोय अहाज य्.एस. टायर 28.53 विदेशो अहाज

(स्त्र) बात के प्रत्येक घंटे या उसके अंग

500/- रु. नटीय जहाज यस एस. अक्षर 23.78 विदेशी जहाज

- अ. ऐसे मामले से जहां पायलट जहाज पर चढ़ता है किन्तु यह सूचित किए पाने पर सौट आता है कि उसकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है तो उपर उप-मद (1) में विनिदिष्ट रह करने का मुल्क लगेगा।
- 9 सदि पालयट की स्टीमर पर चढ़ते के बाद 30 मिनट से अधिक समय तक प्रतिक्षा फरापा जाता है और उसे यह सूचित किया जाता है कि उसकी मेकाओं की अद्भयभाग नहीं है तो एद्द करने से अल्क के प्रसावा उप-दूर (2) में, निविष्ट "धवरीध मुल्क" (डिटेन्गन चार्ज) वसूमा जाएगा। बगाँ कि उप सीक्षक अपने विवेकाधिकार से अपरोध या एद्द करने का महन अधिक रूप से भाफ कर सकते हैं यदि अवरोध या एद्द करने का महन अधिक रूप से भाफ कर सकते हैं यदि अवरोध या एद्द करने का महन स्टीमर के सास्टर के नियंत्रण के बाहर की परिस्थिन के कारण हुआ और यदि पायलट इस प्राव्य का निवित्र रूप में प्रमाण एवं देशा है।

[फा. स. 14012/17/92-पी. जी.] श्रणोक जोशी, संग्रत मिल्स

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1992

G.S.R. 631(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 35 of Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fees) Order 1989 and the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fee) Amendment Order 1991 publised under the Notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport No. G.S.R. 650(E) dated 20th July, 1990 and G.S.R. 521(E) dated 5th August, 1991 respectively, the Central Government hereby makes the following order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of New Mangalore, namely:

ORDER

- 1. Short title and commencement:—(i) This Order may be called the Port of New Mangalore Pilotage and other Services (Fees) Order 1992.
 - (ii) It will come into force at once.
 - 2. Definitions: In this order unless the context otherwise required,
 - (a) 'Port' means Port of New Mangalore,

- (b) 'Coasting Vessel' means a vessel engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any Port or place in India
- (c) 'Foreign Vessel' means a vessel employed in trading between any Port or place in India and other Port or place or between Ports or places outside India.
 - 3. Fees for Pilotage, Mooring or unmooring etc:

The fees leviable for piloting vessels in and out of the Port which includes services of the Ports Pilots and services of the Tugs and Launches with the crew shall be at the rates specified in the Schedule below namely:

SCHEDULE

	Charges payable per G.R.T.		
Classification of the vessel	Foreign vessels U.S. dollars.	Coasting vessels Rs.	
(i) For pilotage both Inward and outward	0.238 Subject to a min. of Rs. 594.44	Rs. 3.50 Subject to a min. of Rs. 8,750/-	
(ii) For vessels having GRT between 3001 and 10,000	0.238	Rs. 3.50	
(iii) For vessels having GRT between 10001 and 15000	0.285	Rs. 4.20	
(iv) For vessels having GRT between 15001 and 30,000	0.285	Rs. 4.20	
(v) For vessels having GRT over 30,000	0.285	Rs. 4.20	
2. Barges Tugs Launches etc. not specifid above and sailing vessels (with or without auxillary engines) and fishing vessels upto GRT 199	57.07	Rs. 850/- per vessel	
GRT 200 and above	85.60	Rs. 1250/- per vessel	

Notes:

- 1. All shiftings of vessels will be to Port Account.
- 2. Pilotage services will be available all the hours of the day.
- 3. For Pilotage a vessel on 'Cold Move' as certified by the Master of the vessel namely without the power of the engine of the vessel partly or fully in any operation a surcharge of 20% shall be levied over the rates payable as per the Schedule.
- 4. Fees for on carriage of Pilot: In the event of the vessel carrying a Pilot outside the port limits for unavoidable reasons the Master shall be bound to leave the pilot at the next nearest Port and Master, Owner or his representatives shall be responsible for the repatriation and all connected formalities thereof and also be liable to pay all expenses incurred in the matter of Boarding, Lodging other reasonable expenses and repatriation of the Pilot thus over carried. In addition, compensation at the rate of Rs. 60/- per hour shall be payable by the Master of the vessel till the Pilot reports back to duty at the Port.
- 5. In case different agents are engaged for inward entry and outward clearance separately each of the agents will be charged 50% of the charges.
- 6. In respect of the vessels entering the Ports for bunkering, water and repairs but not discharging or taking in any cargo only 50% of the Pilotage charges will be levied.
- 7. Detention charges of Steamers:
- (1) For cancellation of a requisition for the services of a Pilot with less than 2 hours notice to the Deputy Conservator for Pilotage between 0600 AM to 0600 PM or with less than 6 hours notice for pilotage between 6 PM and 6.00 AM

Rs. 1,200/- for coasting vessels. US \$ 57.07 for foreign vessels.

- (2) For detention of Pilot by a Steamer for more than 30 minutes beyond the time for which the requisition was made.
- (a) for 1st hour or part thereof

Rs. 600/- for coasting vessels.

US \$ 28.53 for foreign vessels.

(b) for every subsequent hours or part thereof

Rs. 500/- for coasting vessels. US \$ 23.78 for foreign vessels.

- 8. In case where a Pilot boards a Steamer but has to return or being informed that his services are not required cancellation charges specified in sub-item (1) above shall be levied.
- 9. If a pilot is made to wait for more than 30 minutes after boarding the Steamer and is being informed that his services are not required 'detention charges' specified in sub-item (2) above shall be levied in addition to cancellation charges.

Provided that the Deputy Conservator may at his discretion waive the whole or part of the detention or cancellation charges if the detention or cancellation was due to circumstances beyond the control of the Master of the Stoumer and if the Polot certified to that effect in writing,

[File No. PR-14012/17/92-PG] ASHOKE JOSAI, Jt. Secy.